

11/1/22 पञ्चावली पेशी में भाड़ी माधिवक्ता वाली
(मानुषादिशत)। चाड़ी एवं वाली माधिवक्ता को
बार-बार भावाज लगाए गए। भावाज
लगाते के उपरान्त भी मालातन/कालतन
उपारिधत नहीं माने। चाड़ी व उसके माधिवक्ता
के उपारिधत नहीं माने के कारण चाड़पत्र
वाड़ी भादम पेशी/भादम हाजरी में शवादीन
किन्ना भाता है। पञ्चावली भादम में कम
की जाकर बाद सकलित दाखील फकत है।

सहाय
एवं ज
हनुमानगढ़